ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 28 नवम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 211

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव में OBC आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, सशर्त मंजूरी दी

24 न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है. अदालत ने निकाय चुनावों पर ओबीसी आरक्षण को लेकर चुनावी प्रक्रिया का सशर्त रास्ता साफ कर दिया.

अदालत ने उन सभी नए निकायों में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण अधिसूचित करने पर रोक लगाई है, जिनके चुनाव अभी घोषित नहीं हुए हैं. वहीं, जिन नगर परिषदों और नगर पंचायतों में पहले से 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण अधिसूचित हो चुका है, वहां चुनाव तो तय कार्यक्रम के अनुसार होंगे, लेकिन उनके नतीजे रिट याचिकाओं के अंतिम फैसले पर निर्भर करेंगे.

बता दें कि आज मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ महाराष्ट्र में ओबीसी आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. पीठ ने मामले को तीन-न्यायाधीशों की बड़ी बेंच को भेजते हुए अगली सुनवाई 21 जनवरी तय की है.

2 दिसंबर को होने हैं निकाय चुनाव

सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील बलबीर सिंह ने कोर्ट को बताया कि 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और 2 दिसंबर को मतदान होना है. इनमें से 40 नगर परिषद और 17 नगर पंचायत ऐसे हैं जहां आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक है. वहीं दूसरी ओर, 29 महानगरपालिका, 32 जिला परिषद और 346 पंचायत समितियों के चुनाव अभी अधिसूचित नहीं हुए हैं.

'आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं'

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन निकायों के चुनाव अभी नहीं घोषित हुए हैं, उनमें किसी भी स्थिति में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती. कोर्ट को यह भी बताया गया कि केवल दो महानगरपालिकाएं ऐसी हैं जहां आरक्षण 50 प्रतिशत से ऊपर जाने की संभावना है. इस पर अदालत ने कहा कि इनके चुनाव भी अधिसूचित किए जा सकते हैं, लेकिन इनके परिणाम भी रिट याचिकाओं के नतीजों के अधीन रहेंगे.

अदालत ने अपने आदेश में जोर देकर कहा कि पहले से अधिसूचित नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव तय कार्यक्रम के मुताबिक कराए जा सकते हैं, लेकिन जिन संस्थाओं में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक है, उनके नतीजों पर अंतिम फैसला बाद की सुनवाई तय करेगी.

'समाज को जाति की रेखाओं में बांटना नहीं चाहिए'

सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि हम जो भी करें, समाज को जाति की रेखाओं में बांटना नहीं चाहिए. गौरतलब है कि महाराष्ट्र में ओबीसी आरक्षण के चलते स्थानीय निकाय चुनाव दिसंबर 2021 से अटके हुए थे, जब सुप्रीम कोर्ट ने 'ट्रिपल टेस्ट' पूरा किए बिना आरक्षण पर रोक लगा दी थी. इसके बाद राज्य सरकार ने जे.के. बंठिया आयोग का गठन किया, जिसने जुलाई 2022 में रिपोर्ट सौंपी. मई 2025 में अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव चार महीने में कराए जाएं और आरक्षण बंठिया आयोग से पहले की स्थिति के अनुसार लागू हो, लेकिन अदालत ने स्पष्ट किया कि इसे 50% से अधिक आरक्षण की अनुमति मान लेना गलत व्याख्या है. अब कोर्ट ने दोहराया है कि शेष निकायों में चुनाव अधिसूचित करते समय 50 प्रतिशत की सीमा हर हाल में लागू रहेगी.

घर बैठे आधार में मोबाइल नंबर बदल सकेंगेः एप पर OTP और फेस ऑथेंटिकेशन से अपडेट होगा, किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं

24 न्यूज अपडेट

जल्द ही आप घर बैठे आधार कार्ड में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदल सकेंगे। आधार को रेगुलेट करने वाली संस्था यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (UIDAI) ने नई डिजिटल सर्विस की घोषणा की है।

इसके जरिए यूजर्स आधार एप पर OTP वेरिफिकेशन और फेस ऑथेंटिकेशन से अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर पाएंगे। इस सर्विस से दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोग और सीनियर सिटिजन को आसानी होगी।

नई सर्विस कैसे काम करेगी?

UIDAI के मुताबिक मोबाइल अपडेट करने की प्रोसेस काफी सिंपल रखा गया है। इसके लिए कोई डॉक्यूमेंट या फिजिकल विजिट की जरूरत नहीं है। पूरी प्रोसेस कुछ मिनटों में हो जाएगी।

सबसे पहले यूजर्स को AADHAAR एप डाउनलोड करना होगा।

यहां यूजर्स को अपना आधार नंबर और नया मोबाइल नंबर डालना होगा।

OTP वेरिफिकेशन होगा, जो पुराने या नए नंबर पर भेजा जाएगा।

इसके बाद स्मार्टफोन कैमरे से फेस ऑथेंटिकेशन पूरा करना होगा।

50 का पेमेंट करने के बाद फॉर्म सबमिट करना होगा। बायोमेट्रिक अपडेट के साथ यह फ्री होगा।

अपडेट स्टेटस चेक करने के लिए URN नंबर से UIDAI वेबसाइट पर देख सकेंगे, जो 2-4 हफ्तों में रिफ्लेक्ट हो जाएगा।

गोवा- मोदी ने 77 फीट की श्रीराम-प्रतिमा का अनावरण किया

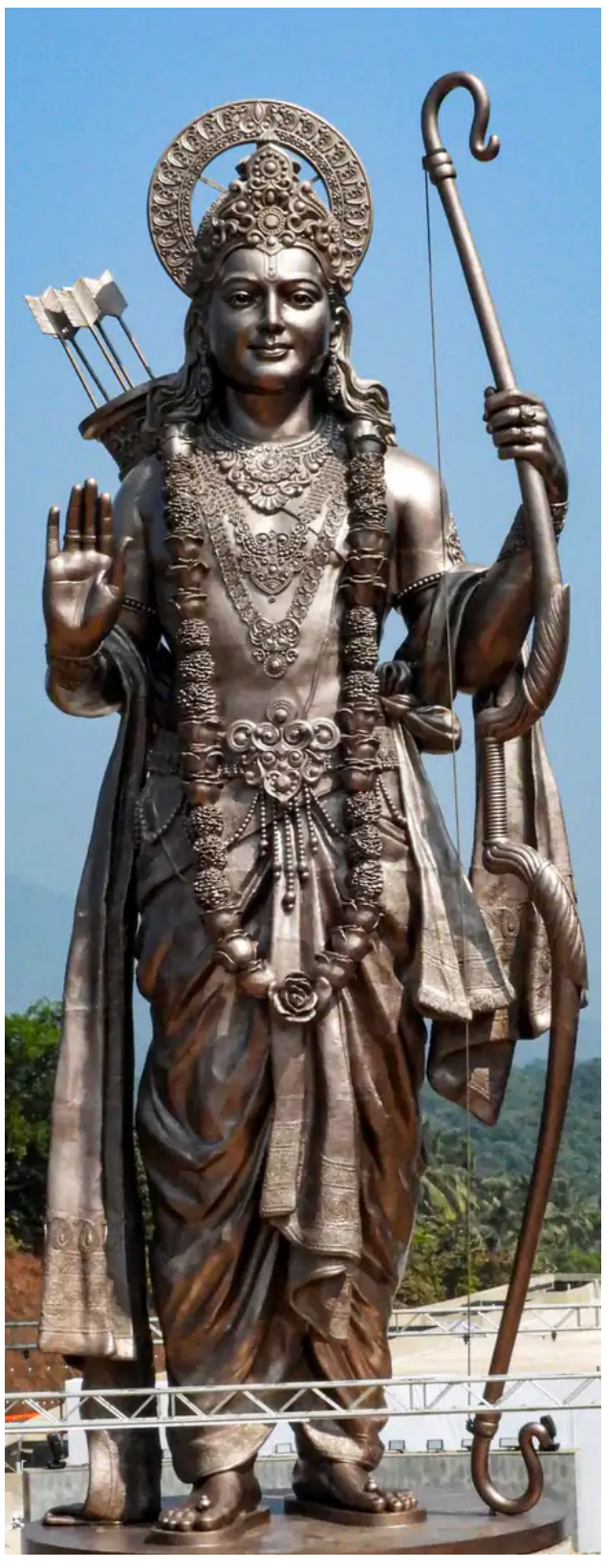

31 दिसंबर तक NFSA से नाम वापस लें, नहीं तो वसूली होगीः खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 28 दिसंबरः नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट (NFSA) से जुड़े अपात्र परिवारों को स्वयं अपने नाम हटाने के लिए सरकार ने 31 दिसंबर तक की समय सीमा दी है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि इस तारीख के बाद अगर कोई अपात्र परिवार या व्यक्ति अपना नाम सूची से हटवाने में विफल रहता है, तो सरकार नए साल से उसके खिलाफ वसूली की कार्रवाई करेगी। मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि 1 नवंबर 2024 को शुरू हुए गिव-अप अभियान के तहत अब तक प्रदेश में 48 लाख लोगों ने स्वेच्छा से अपना नाम NFSA सूची से हटा लिया है। जिन लोगों ने अपना नाम हटाया, उनकी जगह नए पात्र लोगों को सूची में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर को गिव-अप अभियान की अवधि समाप्त हो जाएगी और इसके बाद अपात्र व्यक्ति से नियमानुसार वसूली की जाएगी। गोदारा ने कहा कि जब से राज्य में उनकी सरकार आई है, तब से अब तक खाद्य सुरक्षा पोर्टल में 70 लाख 25 हजार से अधिक नए लोगों के नाम जोड़े गए हैं। यह कदम सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि खाद्य सुरक्षा का लाभ वास्तविक वंचितों तक पहुंचे।

NFSA के लिए अपात्र कौन हैं?

जिन परिवारों के किसी भी सदस्य का सरकारी, अर्द्धसरकारी या स्वायत्त संस्थानों में नियमित रोजगार हो। जिन परिवारों को एक लाख रुपए वार्षिक से अधिक पेंशन मिलती हो। जिन परिवार के किसी सदस्य का आयकरदाता होना। जिनके पास चौपहिया वाहन हो (ट्रैक्टर और एक वाणिज्यिक वाहन को छोड़कर)। जिन परिवार का सालाना बिजली का कुल बिल 50 हजार रुपए या उससे अधिक हो। मंत्री ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने नाम स्वयं सूची से हटवाएं, ताकि नए साल में किसी प्रकार की वसूली की कार्रवाई न हो।

राजस्थान के कई शहरों में बारिशः MP में 1 दिसंबर से शीतलहर का अलर्ट; उत्तराखंड के 4 धामों में तापमान माइनस 10 डिग्री से नीचे

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान के जयपुर, सीकर, ब्यावर और पाली में शुक्रवार सुबह बारिश हुई। उदयपुर और अजमेर संभाग के जिलों में भी बारिश का अलर्ट है। यहां कई इलाकों में सुबह से बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव है, जिसके कारण बारिश हो रही है। इससे सर्दी का असर कम हो गया है।

राजस्थान में 29-30 नवंबर को घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। 1 दिसंबर से शीतलहर का दौर फिर से शुरू होगा। मध्य प्रदेश में भी पहाड़ी इलाकों से आ रही ठंडी हवाओं का असर कम हो गया है। इससे दिन में गर्मी का एहसास होने लगा है।

MP के भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत 20 से ज्यादा शहरों में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 15 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। राज्य में दिसंबर से तापमान गिरने और सर्दी बढ़ने की आशंका है।

इधर, उत्तराखंड के 4 धामों में तापमान माइनस 10 डिग्री से नीचे चला गया है। गुरुवार को केदारनाथ में पारा -14, बद्रीनाथ में -13, गंगोत्री में -13, और यमुनोत्री में -9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। आदि कैलाश में पारा -15 डिग्री चला गया। वहां नदी, झील और झरने जम गए हैं। लोग बर्फ पिघलाकर पानी पी रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के ताबो में गुरुवार को न्यूनतम तापमान -7.3 डिग्री और कुकुमसैरी में पारा -5.7 डिग्री पर पहुंच गया। कई क्षेत्रों में पाइपों में पानी जमने लगा है। कुफरी में गुरुवार को पाले की मोटी परत जम गई। 15 शहरों का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे लुढ़क गया है।

उधर मौसम विभाग ने शुक्रवार को साइक्लोन दितवाह का अलर्ट जारी किया है। तूफान दो दिन बाद यानी 30 नवंबर को तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के तट के पास से गुजरेगा। फिलहाल मछुआरों को समुद्र से दूर रहने की सलाह दी गई है। NDRF की 10 टीमें तैनात की गईं हैं।

सोना 534 महंगा होकर 1,26,591 रुपए पर पहुंचाः चांदी भी 1,692 महंगी हुई; इस साल गोल्ड 50,500 और सिल्वर 78,000 महंगी हुई

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में शुक्रवार 28 नवंबर तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम सोना 534 रुपए महंगा होकर 1,26,591 रुपए पर पहुंच गया है। कल 10 ग्राम सोना 1,26,057 रुपए का था।

वहीं, चांदी 1,692 रुपए महंगी होकर 1,64,359 रुपए पर पहुंच गई। गुरुवार को चांदी की कीमत 1,62,667 रुपए प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

शेयर बाजार में आज फ्लैट कारोबार रहाः सेंसेक्स 14 अंक गिरकर 85,707 पर बंद; IT-रियल्टी शेयरों में गिरावट, मेटल और फार्मा में तेजी रही

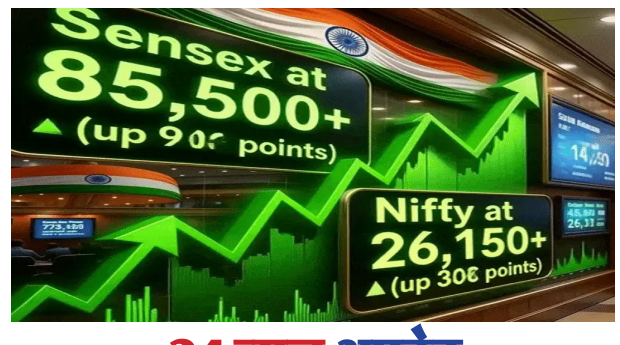

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार, 28 नवंबर को शेयर मार्केट में गिरावट रही। सेंसेक्स 14 अंक गिरकर 85,707 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 13 पॉइंट की गिरावट रही।

ये 26,203 पर बंद हुआ। आज ऑयल एंड गैस, रियल्टी, प्राइवेट बैंकिंग और IT में गिरावट रही। मीडिया, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर गिरकर बंद हुए।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

संपादकीय : लापरवाही की अति

हरियाणा में बास्केटबाल के दो खिलाड़ियों की मौत को भले ही हादसे के तौर पर देखा जाए, लेकिन यह दरअसल राज्य के समूचे तंत्र में खेलों के प्रबंधन से लेकर व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और वहां की खेल नीति पर एक गंभीर सवाल है । इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि बास्केटबाल के वे खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन से देश के लिए कुछ बड़ी उपलब्धि हासिल करना चाहते थे, लेकिन सरकारी अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से उनकी जान चली गई। दोनों खिलाड़ियों की मौत पर व्यापक चिंता उभरने के बाद हुई कार्रवाई में कुछ संबंधित कर्मचारियों या अधिकारी को निलंबित किया गया और सरकार ने सभी खेल मैदानों और बास्केटबाल के पोल या खंभों की जांच के आदेश जारी किए मगर सवाल है कि जो खंभे हादसे की वजह बने, लंबे समय से जर्जर हालत में होने के बावजूद संबंधित सरकारी महकमों ने उनकी अनदेखी क्यों की इस लिहाज से देखें तो हादसों में दोनों खिलाड़ियों की मौत के वास्तविक जिम्मेदारों की पहचान और उन्हें कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है। गौरतलब है कि राज्य के रोहतक और बहादुरगढ़ में अभ्यास करने के क्रम में दो खिलाड़ियों के पेट और सीने पर बास्केटबाल का खंभा गिर गया और उनकी मौत हो गई। जो खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के बूते भविष्य में उपलब्धियां हासिल कर परिवार से लेकर देश के लिए गर्व का जरिया बन सकते थे, सरकारी लापरवाही की वजह से उनकी जान चली गई। खबरों के मुताबिक, दोनों ही जगह बास्केटबाल का खंभा इस जर्जर हालत में था कि उसमें हल्का जोर पड़ते ही टूट कर गिर गया। जाहिर है, खंभे का गिरना एक-दो दिन की लापरवाही का नतीजा नहीं हो सकता। रोहतक के लाखनमाजरा स्थित स्टेडियम में करीब पांच सौ खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। वे बीते काफी समय से खेल विभाग के अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक से मैदान की गुणवत्ता और उपकरणों को ठीक कराने की मांग कर रहे थे। मगर उनकी मांग पर किसी ने समय पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राज्य में कई अन्य जगहों पर भी खेल मैदानों में जरूरी संसाधनों और उपकरणों की दशा ऐसी है कि खिलाड़ी खेलते या अभ्यास करते हुए हर समय एक तरह के जोखिम से गुजरते हैं। सवाल है कि जो सरकार दो खिलाड़ियों की जान जाने के बाद राज्य के खेल मैदानों में बुनियादी ढांचों की जांच कराने को लेकर सक्रिय दिखी, क्या ऐसा वह पहले नहीं कर सकती थी। हरियाणा एक खेल प्रधान राज्य रहा है। यहां के बहुत सारे खिलाड़ियों ने अपनी क्षमताओं के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए बड़ी-बड़ी उपलब्धियां अर्जित की हैं। रोहतक में हादसे का शिकार होने वाले हार्दिक राठी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी थे और बहादुरगढ़ के अमन भी भविष्य की संभावना थे। मगर यहां खेल मैदानों में हुई त्रासद घटनाओं में उनकी मौत बताती है कि सरकार की खेल नीति की हकीकत क्या है और यह खिलाड़ियों के सुरक्षित अभ्यास करने को लेकर किस हद तक लापरवाह है। अब संभव है कि राज्य के खेल परिसरों में संसाधनों और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार कुछ समय तक सक्रिय दिखे, लेकिन जब तक खिलाड़ियों के अभ्यास और उनकी सुरक्षा को लेकर निरंतर सक्रियता और ईमानदार इच्छाशक्ति को खेल नीति का अनिवार्य हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक बेहतर नतीजों की उम्मीद नहीं की जा सकती।

अराजकता के सामने

जब व्यवस्था बिगड़ती है, तो उसके नतीजे में लोगों का बेलगाम हो जाना एक स्वाभाविक नतीजा है। कई बार ऐसा देखा गया है कि अव्यवस्था और अन्याय के खिलाफ नागरिक सड़कों पर उतर आते हैं। अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना गलत नहीं है, लेकिन जब विरोध हिंसा और अराजकता में बदल जाए, तो यह कानून के विरुद्ध और चिंता की बात है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के खोर जिले में मंगलवार को वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थी भोजन और पानी की खराब गुणवत्ता के खिलाफ हिंसा पर उतारू हो गए। उन्होंने संस्थान परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में भी आग लगा दी। करीब तीन से चार हजार विद्यार्थियों के आक्रोश को संभालने या उनके सवालों का जवाब देने वाला वहां कोई नहीं था । स्पष्ट है कि संबंधित संस्थान ने समय रहते विद्यार्थियों की समस्या दूर नहीं की और न ही उनमें पनप रहे गुस्से को भांप कर परिसर में कोई सुरक्षा व्यवस्था की। नतीजा यह हुआ कि छात्रावास की खिड़कियों के शीशे तो टूटे ही, एक बस और चिकित्सा वाहन में भी आग लगा दी गई। इतनी बड़ी घटना के दौरान पुलिस मौके पर नहीं थी, तो इससे मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। बेकाबू विद्यार्थियों को संभाल न पाना निस्संदेह पुलिस की नाकामी है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि कई गंभीर मामलों के आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। हालत यह है कि मुख्यमंत्री को पुलिस मुख्यालय जाकर बैठक करनी पड़ी। वहां उन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध, पुलिस की कार्यप्रणाली और हाल में हुई घटनाओं की समीक्षा की। यह सफाई दी जा सकती है कि हर जगह एक साथ अपराध को नियंत्रित करना मुश्किल है, मगर यह भी सच है कि कानून-व्यवस्था इकबाल से चलती है। और उसकी स्थिति राज्य में बदहाल दिख रही है। पिछले दिनों एक मासूम से दरिंदगी सहित हालिया कई घटनाओं से पुलिस और प्रशासन की नाकामी ही दिखी है। जबकि इस कमजोरी को शासन के स्तर पर ही दूर किया जा सकता है। यह अधिकारियों को सिर्फ हटाने और निलंबित करने से नहीं होगा अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो और जवाबदेही तय हो, तो कानून-व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सकता है।

ताज अरावली वेडिंग से जुड़ा मनी लॉन्ड्रिंग का खुलासा, रैपिडो ड्राइवर के खाते से 331 करोड़ का ट्रांजैक्शन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर की ताज अरावली होटल में हुई एक रॉयल वेडिंग से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि एक रैपिडो (बाइक टैक्सी) ड्राइवर के बैंक खाते का उपयोग करते हुए 331 करोड़ रुपए का संदिग्ध लेन-देन किया गया। बताया जा रहा है कि इस भारी-भरकम रकम का इस्तेमाल शादी के आयोजन, होटल बुकिंग, सजावट और वेंडर पेमेंट में किया गया। ईडी के हवाले से प्रकाशित समाचारों के अनुसार 19 अगस्त 2024 से 14 अप्रैल 2025 के बीच ड्राइवर के खाते में 331.36 करोड़ रुपए जमा हुए और तुरंत आगे भेज दिए गए। शुरुआती जांच में यह पूरा मनी ट्रेल विदेशी बेटिंग एप 1xBet से जुड़ा पाया गया, जिसके नेटवर्क ने ड्राइवर के बैंक खाते को 'म्यूल अकाउंट' की तरह उपयोग किया। पूछताछ में रैपिडो ड्राइवर ने इन करोड़ों की जानकारी होने से साफ इनकार कर दिया। उसका कहना है कि उसने कभी किसी को अपना खाता चलाने की अनुमति नहीं दी। ड्राइवर ने बताया कि वह डिजिटल लेन-देन भी कम करता है और बैंक एप का नियमित उपयोग नहीं करता। उसकी स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह अपने घर की मरम्मत तक नहीं करा पा रहा। ईडी की जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि 331 करोड़ की यह रकम सीधे उदयपुर की ताज अरावली होटल में हुई हाई-प्रोफाइल लग्जरी वेडिंग से जुड़ी हुई है। एजेंसी अब यह तलाश रही है कि यह रकम किस स्रोत से आई, किसने खाते का संचालन किया और असली लॉगिन किसके पास थे। साथ ही यह भी जांच का विषय है कि शादी आयोजकों और ड्राइवर के बीच कौन मीडिएटर था। ईडी को शक है कि यह मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट कई कमजोर वर्ग के लोगों के खातों का उपयोग कर अवैध धन को वैध दिखाने का काम कर रहा था। इस खुलासे के बाद शादी से जुड़े कई कारोबारी, इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां व अन्य संदिग्ध लोग भी एजेंसी की रडार पर आ गए हैं।

IAS अधिकारी के विवादित बयान पर ब्राह्मण समाज आक्रोशित, बर्खास्तगी व कानूनी कार्रवाई की मांग तेज

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। अजाकस के प्रांतीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश कैडर के IAS अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा आरक्षण विषयक टिप्पणी में ब्राह्मण समाज की बेटियों का उदाहरण देने से विवाद गहरा गया है। कथित बयान सामने आने के बाद ब्राह्मण समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। समाजजनों का कहना है कि अधिकारी द्वारा सम्मेलन के मंच से कही गई यह बात-- "जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान नहीं देता, तब तक आरक्षण जारी रहे"--न केवल अमर्यादित है बल्कि समाज की गरिमा और महिलाओं की सम्मानहीन प्रस्तुति है। समाज प्रतिनिधियों ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा अधिकारी के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि किसी भी सरकारी अधिकारी द्वारा जाति विशेष की महिलाओं को लेकर इस प्रकार की टिप्पणी सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुँचाने वाली है और यह आचरण सेवा नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जाना चाहिए।

ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकारी मंच पर एक उच्च पदस्थ अधिकारी द्वारा ऐसी टिप्पणी किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और यह सरकारी सेवा की प्रतिष्ठा के विपरीत है। समाजजनों ने मांग की कि संतोष वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच और बर्खास्तगी की अनुशंसा की जाए। इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बयान को निंदनीय बताते हुए कहा कि यह प्रकरण केवल एक समाज नहीं, बल्कि पूरे समाज में महिलाओं के सम्मान से जुड़ा है। समाजजनों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन द्वारा जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे राज्य स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

सुखेर पुलिस का साइबर गिरोह पर बड़ा वार: प्रियदर्शनी नगर में छापा, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड करने वाला तीन सदस्यीय गिरोह गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। थाना सुखेर पुलिस ने साइबर अपराधों के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए थानाधिकारी श्री रविन्द्रसिंह चारण, उनकी टीम तथा जिला स्पेशल टीम के सहयोग से मुखबिर की सूचना पर 27 नवंबर 2025 को प्रियदर्शनी नगर, बेदला स्थित किराये के मकान में छापेमारी कर ऑनलाइन गेमिंग के माध्यम से धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों—राजन वैष्णव पिता धनराज वैष्णव, उम्र 33 वर्ष, निवासी 7/2035 न्यू रामपुरा थाना अंबामाता, हाल मकान 206 प्रियदर्शनी नगर बेदला; नीनाद वैष्णव पिता ऋषिकेश वैष्णव, उम्र 24 वर्ष, निवासी 101 बी ब्लॉक हिरणमगरी सेक्टर-14 थाना सविना, हाल मकान 206 प्रियदर्शनी नगर बेदला; तथा रिदम वैष्णव पिता ऋषिकेश वैष्णव, उम्र 27 वर्ष, निवासी 101 बी ब्लॉक हिरणमगरी सेक्टर-14 थाना सविना, हाल मकान 206 प्रियदर्शनी नगर बेदला— को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार ये तीनों एक संगठित गिरोह बनाकर लोगों से कमीशन पर बैंक खाते खरीदते, आगे कमीशन पर दूसरों को उपलब्ध कराते तथा ऑनलाइन गेमिंग एप्स के माध्यम से ट्रांजैक्शन कराकर धोखाधड़ी की रकम अपने नेटवर्क को ट्रांसफर करवाते थे। आरोपी धोखाधड़ी से प्राप्त राशि का हिस्सा कमीशन के रूप में लेकर बैंक खातों की खरीद-फरोख्त और साइबर जालसाजी का पूरा नेटवर्क संचालित कर रहे थे। आरोपियों को 27 नवंबर की अलसुबह गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से 2 दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त हुआ है। पुलिस अब इनके ठगी के तरीके, इनके साथ जुड़े अन्य साथियों और खाता धारकों की भूमिका से जुड़े तथ्यों की गहनता से जांच कर रही है। इस कार्रवाई में जिला स्पेशल टीम के श्री विकम सिंह (सउनि, प्रभारी डीएसटी), श्री गणेश सिंह (हेडकानि), श्री कमलेश जाखड़, श्री जगदीश (हेडकानि), श्री भंवरलाल (हेडकानि), श्री जितेन्द्र दीक्षित (कानि), श्री मुकेश चौधरी (कानि), श्री विरेंद्र साहू (कानि), श्री सुमेर सिंह (कानि) तथा चालक श्री कृष्ण कुमार शामिल थे, जबकि थाना सुखेर टीम में थानाधिकारी श्री रविन्द्रसिंह चारण, स.उ.नि. श्री केसरसिंह, सउनि श्री खुमाणसिंह, हेडकानि श्री नारायणसिंह, कानि श्री राजेश, कानि श्री ओमप्रकाश, महिला कानि श्रीमती कंचन, तथा साइबर सेल से श्री लोकेश रायकवाल शामिल रहे। इसके अलावा थाना बडगाँव टीम के थानाधिकारी श्री पुरणसिंह राजपुरोहित, स.उ.नि. श्री रणजीतसिंह राठौड़, हेडकानि श्री लक्ष्मणसिंह, तथा साइबर थाना उदयपुर से महिला हेडकानि श्री सरोज और कानि श्री रमेश भी कार्रवाई में मौजूद रहे। सभी टीमों के संयुक्त प्रयास से एक सक्रिय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश हुआ है, जिसका नेटवर्क काफी विस्तृत होने की आशंका जताई जा रही है और व्यापक स्तर पर आगे की जांच जारी है।

भक्त के वश में हैं भगवान : आचार्य पुलक सागर महाराज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवम्बर। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर उदासीन आश्रम अशोकनगर उदयपुर में शुक्रवार को राष्ट्र संत गुरुवर आचार्य श्री पुलक सागर जी के प्रवास के दूसरे दिन देव दर्शन पर मांगलिक प्रवचन हुआ, गुरुवर ने कहा प्रतिदिन का जिन दर्शन पंच कल्याण करने के समान पुण्य प्रदान करने वाला है। पुलक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद फान्दोत ने बताया कि सभा का प्रारम्भ चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जिसका सौभाग्य पधारे हुय महानुभाव जनो को प्राप्त हुआ, गुरुदेव का पाद प्रक्षालन उदासीन आश्रम के ट्रस्ट परिवार के अध्यक्ष महेंद्र टाया दिनेश डवारा, प्रकाश अखावत, प्रमोद ठोलीया, जगदीश जैन नरेंद्र टाया आदि कार्यकारणी को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात पूज्य गुरुदेव के समक्ष बालिका छात्रावास की बालिकाओं ने मंगलाचरण किया इसके पश्चात पूज्य गुरुदेव की आहार चर्या का सौभाग्य महेंद्र नरेंद्र, अमित, पुनीत टाया परिवार ने किया। को प्राप्त हुआ पूज्य गुरुदेव के आशीष से श्रेष्टि महेंद्र कुमार टाया के यहाँ मंगल कलश की स्थापना की गयी। इस अवसर पर विनोद फान्दोत, अशोक शाह, मुकेश बडजात्या, प्रमोद चोधरी सहित समाज के विभिन्न गणमान्य जन उपस्थित रहे।

प्रो. भाणावत बने यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन एवं एमएचआरएम के निदेशक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखाडिया विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. बी.पी. सारस्वत साहब ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज के अधिष्ठाता एवं वाणिज्य संकाय के चेयरमैन एवं आईक्यूएसी डायरेक्टर प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत को यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन तथा मास्टर ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के निदेशक नियुक्त किया है। प्रो. भाणावत ने रजिस्ट्रार डॉ वर्दीचन्द गर्ग से चेयरमैन का कार्य भर ग्रहण किया। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ कुंजन आचार्य ने बताया कि प्रो. भाणावत के आईक्यूएसी डायरेक्टर रहते हुए दस वर्षों से लंबित नैक इंस्पेक्शन संपन्न हुआ और विश्वविद्यालय को "ए" ग्रेड से नवाजा गया। इन्होंने प्राध्यापकों का वर्षों से लंबित सीएएस प्रमोशन को भी गति प्रदान करने में अपनी अहम भूमिका निभाई । प्रो. भाणावत के अब तक 78 से ज़्यादा रिसर्च पेपर , चार पुस्तकें, 30 से ज़्यादा पॉपुलर आर्टिकल न्यूज़पेपर में प्रकाशित हो चुके है । आप रूसा प्रायोजित ब्लॉकचैन एकाउंटिंग रिसर्च प्रोजेक्ट के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर के रूप में भी कार्य कर रहे । आपके अब तक 12 रिसर्च पेपर्स को विभिन्न कॉन्फ्रेंसेस में बेस्ट रिसर्च पेपर्स का अवार्ड मिला है । द इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली ने 2021 तथा 2022 में लगातार दो बार इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड से सम्मानित किया। इससे पूर्व में अगस्त 2021 से सितंबर 2022 तक भी आप छात्र कल्याण अधिष्ठाता रहते हुए 2022 के विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराये। आप नार्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी शिलांग, जीजीटी विश्वविद्यालय बांसवाड़ा, एम डी एस यूनिवर्सिटी अजमेर तथा विश्वकर्मा कौशल यूनिवर्सिटी जयपुर के बोर्ड ऑफ़ स्टडीज के सदस्य भी है। आपको राष्ट्रपति स्काउट अवार्ड से भी 1984 में नवाजा गया।

लव चौधरी बने पाली संभाग के नए प्रभारी, मेवाड़ में खुशी की लहर, पूर्व में कई जिलों में निभा चुके महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारतीय युवा कांग्रेस ने राजस्थान संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए सभी संभागों में नए प्रभारी नियुक्त किए हैं। वरिष्ठ प्रदेश महासचिव लव चौधरी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए पाली संभाग का नया प्रभारी बनाया गया है। लव चौधरी इससे पहले जोधपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद लोकसभा क्षेत्र और बागड़ के प्रमुख जिलों के प्रभारी के रूप में अपनी भूमिका सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। संगठनात्मक कौशल और मजबूत पकड़ के कारण चौधरी को लगातार प्रदेश नेतृत्व का भरोसा मिलता रहा है। गौरतलब है कि राजस्थान युवा कांग्रेस के पिछले चुनाव में पूरे प्रदेश में लव चौधरी प्रथम स्थान पर रहे थे, जिसके बाद से उनकी नेतृत्व क्षमता और संगठन में पकड़ और मजबूत हुई। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मेवाड़ के NSUI और युवा कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने चौधरी को बधाई दी और खुशी व्यक्त की। संगठन के युवाओं ने उम्मीद जताई कि पाली संभाग में संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

30 नवंबर को होगा सीटू का जिला कन्वेंशन, शिराली भवन में मजदूर हितों पर होगा मंथन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवंबर। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) का जिला कन्वेंशन 30 नवंबर को सुबह 10.30 बजे माछला मगरा स्थित शिराली भवन में आयोजित होगा। यह जानकारी सीटू के जिला सचिव हीरालाल सालवी ने दी। उन्होंने बताया कि कन्वेंशन का उद्घाटन सीटू के प्रदेश अध्यक्ष भंवर सिंह शेखावत करेंगे। कन्वेंशन में सीटू से जुड़ी विभिन्न यूनियनों की गतिविधियों, हालिया आंदोलनों और संगठन को मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा होगी। कार्यक्रम में कुल 60 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। समापन सत्र का संचालन संगठन के राज्य सचिव बी.एस. राणा करेंगे। कन्वेंशन में मजदूर हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए जाएंगे। कन्वेंशन की तैयारियों को लेकर संगठन के अध्यक्ष राजेश सिंघवी की अध्यक्षता में शिराली भवन में बैठक आयोजित हुई। इसमें सीटू के उपाध्यक्ष गुमान सिंह राव, ठेला व्यवसाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष मोहम्मद निजाम व उपाध्यक्ष मोहम्मद शाहिद, निर्माण मजदूर एकता यूनियन के अध्यक्ष शमशेर खान, तथा लाल झंडा ऑटो चालक यूनियन के अध्यक्ष फिरोज अहमद सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025: जूडो प्रतियोगिता का चौथा दिन सम्पन्न

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में आज जूडो प्रतियोगिता का चौथा दिन आयोजित किया गया। फाइनल मुकाबलों में बालक वर्ग (100 किलो) में राकेश गिली (जी.एन.डी. यूनिवर्सिटी) ने स्वर्ण पदक, मुबासशिर (पी. सी.यू.के. यूनिवर्सिटी) ने रजत पदक और अरुण अजित कुमार (एम.जी.यू.के. यूनिवर्सिटी) ने कास्य पदक जीता। बालिका वर्ग (78 किलो) में भूमिका (आर.सी. यूनिवर्सिटी) ने स्वर्ण पदक हासिल किया। विजेताओं को सुधीर बक्सी, अध्यक्ष राजस्थान बैडमिंटन संघ, सुशील सैन, जनरल सचिव जिला जूडो संघ, राहुल संघवाल, शकिल हुसैन और हॉकी प्रशिक्षक द्वारा पारितोषिक व मेडल प्रदान किए गए। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि आज जूडो प्रतियोगिता का समापन किया गया। साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी इंडोर हॉल में पर्यटन विभाग द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. पालीवाल ने बताया कि कल महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण में प्रातः 8 बजे बीच वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू होगी। भारतीय वॉलीबॉल महासचिव श्री रामानंद चौधरी ने मैदान का निरीक्षण किया और खिलाड़ियों, अधिकारियों व निर्णायकों को दिशा-निर्देश दिए। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग के दो-दो मैच खेले जाएंगे। उद्घाटन समारोह शाम 4 बजे महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण, गंगाघाट में आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल पंजाब श्री गुलाबचंद जी कटारिया और अध्यक्षता श्री रामानंद चौधरी, महासचिव वॉलीबॉल संघ द्वारा की जाएगी। इसके अतिरिक्त, कायकिंग और कैनोइंग प्रतियोगिताओं का निरीक्षण सानू और सदीप जी द्वारा किया गया। फतहसागर में आठ लेन का कार्य पूरा हो चुका है। तकनीकी और ब्रांडिंग की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और कल से पूर्ण हो जाएंगी।

मावली में बड़ा हादसा: 150 फीट गहरे कुएं से युवक का शव बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. मावली थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां करीब 150 फीट गहरे कुएं में गिरने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही प्रशासन और बचाव टीम में हड़कंप मच गया। दोपहर करीब 12:30 बजे मावली थाना पुलिस ने जिला प्रशासन को सूचना दी कि एक युवक कुएं में गिर गया है। सूचना पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने तुरंत राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर की रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजने के निर्देश दिए। आदेश मिलते ही सहायक प्रशासनिक अधिकारी धर्मेंद्र कश्यप ने टीम का गठन कर रवाना किया। टीम मौके पर पहुंची और लगभग 150 फीट गहरे कुएं में उतकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। पुलिस थाना मावली को शव सुपुर्द कर आवश्यक कार्रवाई पूर्ण की गई। मृतक की पहचान निर्मल भील पुत्र सोहन भील, निवासी विशनपुरा पंचायत लदानी, मावली के रूप में हुई है। हादसे के कारणों को लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है। रेस्क्यू टीम में शामिल सदस्यः वाहन चालक महेंद्र सिंह मसानी, गोताखोर रवि शर्मा, विष्णु राठौर, हीरालाल प्रजापत, देवीसिंह गुर्जर, बचावकर्मी मुकेश सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। प्रशासन और बचाव दल की तत्परता से लगभग असंभव दिख रहे इस रेस्क्यू ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

ऑपरेशन चक्रव्यूह : प्रतापगढ़ में 10 करोड़ रुपये की MD ड्रग्स जब्त, दो गिरफ्तार, डीएसटी और धोलापानी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, मोटरसाइकिल पर ले जा रहे थे 4 किलो 646 ग्राम सिंथेटिक ड्रग्स

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 28 नवंबर। प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। डीएसटी टीम और थाना धोलापानी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर 4 किलो 646 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। जब्त की गई इस सिंथेटिक ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस मामले में दो अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर एक बाइक भी जब्त कर की गई। एसपी आदित्य ने बताया कि शुक्रवार 28 नवम्बर को कार्यवाहक थानाधिकारी धोलापानी नारायण लाल ने मय जाब्ता के थाने से पहले स्पीड ब्रेकर के पास नाकाबंदी शुरू की। नाकाबंदी के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस को उनके पीछे लटके बैगों में अवैध वस्तु होने का संदेह हुआ। रुकवा कर पूछने पर मोटरसाइकिल चालक ने अपना नाम जतीन पुत्र कैलाश मालवीय (22) और पीछे बैठे व्यक्ति ने जितेंद्र पुत्र रतनलाल मालवीय (27) निवासी मानपुरा थाना कोतवाली, प्रतापगढ़ होना बताया। संदिग्ध लगने पर पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के बैगों की जाँच की, जिसमें दोनों बैगों से कुल 4 किलो 646 ग्राम एमडी बरामद हुई। पुलिस ने ड्रग्स और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है तथा दोनों अभियुक्तों जतीन मालवीय और जितेंद्र मालवीय को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे का अनुसंधान जारी है। इस कार्यवाही में धोलापानी थानाधिकारी नारायण लाल और डीएसटी प्रभारी प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ओगणा में भाई ने भाई की ले ली जान, पत्नी से अवैध संबंध के शक में विवाद, लाठ मारकर हत्या - आरोपी हिरा गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

ओगणा (उदयपुर)। पुलिस थाना ओगणा क्षेत्र में अवैध संबंध के शक के चलते छोटे भाई द्वारा बड़े भाई की हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मात्र कुछ घंटों में जंगल से गिरफ्तार कर लिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब प्रार्थीया रूपली बाई पत्नी रता (उम्र 50 वर्ष), निवासी लोरो का वास, थाना ओगणा ने 25 नवंबर 2025 को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि 23 नवंबर की रात करीब 11 बजे उनके पति रता पिता नाना और छोटे देवर हिरा पिता नाना घर के पास शराब पी रहे थे। उसी दौरान हिरा को शक हुआ कि उसके बड़े भाई रता का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है। नशे की हालत में दोनों में जमकर झगड़ा हुआ। विवाद बढ़ने पर हिरा ने लाठ से रता की पीठ पर जोरदार वार किया, जिससे उसे गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। शोर सुनकर रूपली बाई, उनकी सास श्रीमती केसरी पत्नी नाना, जवाई लालु और सोहन मौके पर पहुंचे और दोनों को अलग किया। घायल रता ने किसी डॉक्टर से इलाज नहीं करवाया और 24 नवंबर की शाम लगभग 7–8 बजे चोटों की वजह से उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने प्रकरण संख्या 154/2025, धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 में केस दर्ज कर जांच शुरू की।

आरोपी हिरा जंगल से गिरफ्तार घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा श्रीमती अंजना सुखवाल, एवं वृत्ताधिकारी झाड़ोल श्री विवेक सिंह राव के सुपरविजन में, थानाधिकारी श्री रामावतार मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। आसूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 25 नवंबर 2025 को आरोपी हिरा पिता नाना को लोरो का वास जंगल की पहाड़ी से डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में हिरा ने स्वीकार किया कि उसने अपनी पत्नी के साथ अवैध संबंध के शक में अपने बड़े भाई रता की लाठ मारकर हत्या की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लठ बरामद किया। उसे कोर्ट में पेश कर पीसी रिमांड प्राप्त करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

प्रकरण में शामिल पुलिस टीम थाना ओगणा टीम —

श्री रामावतार मीणा, थानाधिकारी ओगणा, श्री शंकर लाल, सहायक उप निरीक्षक, श्री महेश कुमार, कांस्टेबल 3201, श्री हिम्मतराम, कांस्टेबल 3026

श्री गणपत सिंह, कांस्टेबल 891

साइबर अपराध पर सविना थाना की बड़ी कार्रवाई: ऑनलाइन जुआ-सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। थाना सविना क्षेत्र में साइबर अपराधों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए हिरणमगरी थानाधिकारी श्री भरत योगी और जिला स्पेशल टीम प्रभारी श्री विकम सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने 26 नवंबर 2025 को ऑनलाइन जुआ-सट्टा और हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ कर एक संगठित गिरोह के छह आरोपियों—(1) सुधीर कालरा पिता मनोहरलाल, उम्र 42 वर्ष, निवासी सी-23 इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी सेक्टर-14 सविना; (2) यजत साधवानी पिता विजय साधवानी, उम्र 23 वर्ष, निवासी शक्तिनगर, हाल ई-132 प्रतापनगर; (3) कैदार बागड़ी पिता रतनलाल, उम्र 37 वर्ष, निवासी 16, ऋषभदेव कॉलोनी सेक्टर-9 हिरणमगरी; (4) मनीष कालरा पिता मनोहरलाल, उम्र 40 वर्ष, निवासी सी-23 इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी सेक्टर-14; (5) सागर सामरिया पिता रतनलाल, उम्र 29 वर्ष, निवासी ए-20 केशवनगर, जीयाव बुडिया रोड, भेस्तान जिला सूरत (गुजरात); और (6) सुदेश मीणा पिता महेंद्र सिंह, उम्र 23 वर्ष, निवासी गांव रोणीजा, थाना खेड़ली जिला अलवर—को गिरफ्तार किया। टीम ने इनके कब्जे से अपराध में प्रयुक्त 25 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 32 बैंक पासबुक, 16 चेकबुक और 73 एटीएम कार्ड जब्त किए। थाना सविना में प्रकरण संख्या 460/2025 दर्ज करते हुए आरोपियों पर बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 112(2), 61(2), आईटी एक्ट की धारा 66, 66D तथा आरपीजीओ एक्ट की धारा 3 व 4 के तहत मुकदमा कायम किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से एक संगठित गिरोह बनाकर विभिन्न खाता धारकों से पासबुक, चेकबुक और एटीएम कार्ड प्राप्त कर रखते थे तथा Paybest Online ऐप के माध्यम से ऑनलाइन जुआ-सट्टा राशि इन खातों में मंगवाकर तुरंत नगद निकालते और हवाला चैनल द्वारा रकम वापस भेज देते थे। खाता धारकों की भूमिका भी आपराधिक पाई गई है, जिसकी आगे जांच की जाएगी। मुख्य आरोपी सुधीर कालरा स्वयं भी ऑनलाइन जुआ-सट्टा चलाता था और सट्टेबाजी के लिए अवैध बैंक खाते उपलब्ध कराता था। सभी गिरफ्तार आरोपी वर्तमान में पुलिस अभिरक्षा में हैं और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वे कब से इस नेटवर्क में सक्रिय थे तथा इनके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े रहे। इस सफल अभियान में श्री भरत योगी (थानाधिकारी हिरणमगरी), श्री अजय सिंह राव (थानाधिकारी सविना), श्री अजयराज सिंह (उप निरीक्षक सविना), श्री विकम सिंह (सउनि, प्रभारी जिला स्पेशल टीम), श्री वसनाराम (स.उ.नि. हिरणमगरी), श्री विक्रम सिंह कानि. 1959, श्री राजेंद्र प्रसाद कानि. 1038, श्री आनंद सिंह कानि. 1729, श्री गजेन्द्र कानि. 543, श्री प्रितम सिंह कानि. 2479, श्री मुकेश कानि. 3085, श्री किशोर कानि. 3102, श्री रमेशचंद्र चालक कानि. 1721, श्री रामानन्द कानि. 2738 (साइबर थाना), श्री करण सिंह कानि. 2793 (साइबर थाना), श्री कमलेश कानि. 222 (जिला स्पेशल टीम), श्री मुकेश कानि. 1525 (जिला स्पेशल टीम), श्री जितेंद्र दीक्षित (जिला स्पेशल टीम) और श्री सुमेर सिंह (जिला स्पेशल टीम) शामिल रहे, जिनके समन्वित प्रयास से एक बड़े साइबर गिरोह का पर्दाफाश संभव हो सका।

दौसा जेल से 810 ऊनी कंबलों का पहला लॉट जयपुर रवाना

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 28 नवंबर। दौसा जिले में श्यालावास स्थित विशिष्ट केंद्रीय कारागृह ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए कैदियों द्वारा बनाए गए 810 ऊनी कंबलों का पहला बड़ा लॉट पुलिस विभाग के केंद्रीय भंडार, जयपुर के लिए रवाना किया। इन कंबलों को रवाना करने के लिए जेल अधीक्षक पारस जांगिड और उप निदेशक उद्योग पीयूष अग्रवाल ने संयुक्त रूप से लोडिंग वाहन को हरी झंडी दिखाई।

कारागृह में बंदियों द्वारा तैयार किए जा रहे ये कंबल उनकी मेहनत और हुनर को दर्शाते हैं। उप निदेशक उद्योग पीयूष अग्रवाल ने बताया कि पुलिस विभाग ने कुल दो हजार हवालाती कंबलों का कार्यादेश दिया था, जिसमें से यह 810 कंबलों का पहला चरण सफलतापूर्वक भेजा गया है। शेष कंबलों की आपूर्ति भी जल्द ही सुनिश्चित की जाएगी।

जेल प्रशासन के अनुसार बंदियों को रेपियर लूम जैसी आधुनिक मशीनों पर प्रशिक्षण दिया गया है। इन आधुनिक उपकरणों की मदद से कारागृह में प्रतिदिन 80 से 100 ऊनी कंबल तैयार किए जा रहे हैं। इस अवसर पर शिवांगन स्पिनर के अनिरुद्ध सिंह, जेलर विकास बागोरिया, डिप्टी जेलर दिलावर खान सहित अन्य अधिकारी और प्रहरी उपस्थित रहे।

खेडलीमोड फायरिंग और अपहरण प्रयास का 24 घंटे में खुलासा: मुख्य आरोपी सहित दो गिरफ्तार, भरतपुर पुलिस की त्वरित कार्यवाही; ईको वैन में आए थे 5-6 बदमाश, फायरिंग कर अपहरण की कोशिश की थी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 28 नवंबर। भरतपुर जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद के निर्देश पर खेडलीमोड चौराहा पर हुई गंभीर वारदात का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया गया है। एसएचओ राजेश के नेतृत्व में गठित टीम ने इस घटना के मुख्य आरोपी सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

एसपी दिगंत आनंद ने बताया कि परिवादी कमलेश माली निवासी कानेटी ने 26 नवम्बर को खेडलीमोड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार रात करीब 9:00 बजे खेडलीमोड चौराहे पर एक ईको वैन में सवार होकर आए करीब 5-6 अज्ञात मुलजिमों ने उसके साथ मारपीट की और जबरदस्ती अपहरण करने का प्रयास किया। इतना ही नहीं बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए फायरिंग भी की। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर परिवादी को बचाया। भीड़ देखकर सभी मुलजिम ईको वैन में बैठकर मौके से फरार हो गए थे।

घटना की गंभीरता को देखते हुए, थाना खेडलीमोड पर मुकदमा दर्ज किया गया। प्रकरण दर्ज होने के महज 24 घंटों के भीतर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घटना के मुख्य आरोपी सहित दो अभियुक्तों को राजवीर सैनी पुत्र बालकिशन उर्फ बालूराम (23) और चरन सिंह सैनी पुत्र पप्पू (26) निवासी इमलारी थाना सीकरी जिला डीग को गिरफ्तार कर लिया। गठित टीम द्वारा अन्य फरार मुलजिमों की तलाश की जा रही है।

प्रेशर होर्न बजाने वाले बस चालकों के विरुद्ध जयपुर महानगर-द्वितीय (मोबाईल कोर्ट) सख्त - जारी किए कुर्की वारंट

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 28 नवंबर। राजधानी में प्रेशर होर्न बजाने वाले बस चालकों के विरुद्ध अतिरिक्त सिविल द्वितीय (मोबाइल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम -13, जयपुर महानगर कोर्ट) के पीठासीन अधिकारी श्री गुरजोत सिंह ने कुर्की वारंट जारी करने के आदेश दिए हैं।

सहायक अभियोजन अधिकारी दिनेश लोहिया ने बताया कि दोषसिद्धि उपरांत आरोपी बस ड्राईवर न्यायालय द्वारा अधिरोपित अभियोजन व्यय जमा करवाने का कहकर के न्यायालय में पुनः उपस्थित नहीं हुए और ना ही न्यायालय के आदेशानुसार अभियोजन व्यय न्यायालय में जमा करवाया। इस पर न्यायालय ने कुर्की वारंट जारी करने के आदेश दिए।

तीन बस चालकों के विरुद्ध हुई कार्यवाही : जिन बस चालकों के विरुद्ध कुर्की वारंट जारी करने के आदेश दिए गए है, उनमें बस नं. NL02B3311 के चालक सुरेंद्र सिंह, बस नं. AR11E6555 के चालक फत्तेह सिंह एवं बस नं. NL07B2865 के चालक वीरेंद्र सिंह शामिल है। कुर्की वारंटों की तामील अविलंब करवाने के लिए SHO पुलिस थाना सिंधी कैंप को निर्देश दिए गए हैं।

आचार्य महाश्रमण आज करेंगे श्रीनाथ जी नगरी नाथद्वारा में पदार्पण
- मुक्ति के लिए साधना करना आवश्यक है : आचार्य महाश्रमण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवम्बर। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपनी धवल वाहिनी के साथ त्याग, शौर्य, और बलिदान की वीर वसुंधरा मेवाड़ में अहिंसा यात्रा के माध्यम से नशामुक्ति , नैतिकता और सद्भावना का संदेश देते हुए विभिन्न क्षेत्रों का विचरण करते हुए धर्म प्रभावना कर रहे है। श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण 28 नवम्बर को प्रातः इग्निस ग्रेनाइट बिलोता से विहार करके घोड़घाटी स्थित मदन विहार धाम पर पधारे। सांयकाल में पुनः विहार करते हुए आचार्य महाश्रमण ओडन पधारे जहां रात्रि प्रवास हुआ। आचार्य महाश्रमण लम्बे-लम्बे डग भरते हुए 29 नवंबर को श्रीनाथजी की नगरी नाथद्वारा पधारेंगे। फत्तावत ने बताया कि आज के पूरे विहार मार्ग में अनेकों स्थानों पर अलग अलग क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने आचार्य महाश्रमण के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। विहार यात्रा में उदयपुर, कांकरोली, राजनगर, नाथद्वारा, आमेट, केलवा, भीलवाड़ा सहित अनेक क्षेत्रों के कार्यकर्ता सेवा में लगे हुए है। मार्ग में नेगडिया टोल कर्मियों द्वारा आचार्य महाश्रमण से नशामुक्ति का संकल्प लिया गया। मेवाड़ यात्रा के दौरान विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों और हस्तियों का आचार्य महाश्रमण के दर्शन हेतु आने का क्रम बना हुआ है। फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण 30 नवम्बर को कांकरोली, 1 दिसंबर को राजनगर, 2 दिसंबर को केलवा पधारेंगे। आचार्य महाश्रमण ने विहार के बाद उपस्थित जन समुदाय को अमृत देशना देते हुए फरमाया कि हमें सुमन बनने का प्रयास करना चाहिए। मन को बुरे विचारों से बचाना चाहिए। व्यक्ति को अपनी आत्मा को अशुभ फल से बचाना चाहिए। अशुभ फल से बचाव संवर और निर्जरा की साधना से संभव हो सकता है। क्रिया करने से मोक्ष मिलना सम्भव नहीं है। भगवान महावीर ने कहा कि तुम अक्रिय बन जाओ तो मोक्ष प्राप्ति हो पाएगी। मुक्ति के लिए साधना करना आवश्यक है। जो व्यक्ति धार्मिकता के साथ जुड़ा हुआ है वह अपनी आत्मा के साथ जुड़ा रहेगा। मनरूपी घोड़े की लगाम अपने हाथ में रखे ताकि हमेशा सदपथ पर चले। आज के कार्यक्रम में मेवाड़ कांफ्रेंस अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत, मदन पथिक विहार धाम घोड़घाटी अध्यक्ष मांगीलाल लोढ़ा ने स्वागत और आभार की रस्म अदा की। जैन महिला मंडल घोड़घाटी की बहिनों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। आज के कार्यक्रम में मदन पथिक विहार धाम घोड़घाटी के अध्यक्ष मांगीलाल लोढ़ा, महामंत्री लक्ष्मीलाल बडाला, नेमीचंद धाकड़, राजू दुग्गड, लोकेश धाकड़, कँवरलाल सूर्या, आनंद चपलोत, संपतलाल लोढ़ा, ख्यालीलाल सिंघवी का साहित्य समर्पण उपरना और स्मृति चिन्ह द्वारा अभिनंदन श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस के राजकुमार फत्तावत, तनसुख बोहरा, महेंद्र कोठारी, कमलेश कच्छारा,देवेंद्र कच्छारा द्वारा किया गया। अंत में उपस्थित जन समुदाय को मंगल पाठ का श्रवण करवाया गया।

उदयपुरः बड़गांव सैटेलाइट हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. अशोक शर्मा को एपीओ, मरीजों के बीच रोशनी और सोशल मीडिया विवाद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवम्बर। उदयपुर के बड़गांव सैटेलाइट हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. अशोक शर्मा को चिकित्सा विभाग की संयुक्त शासन सचिव निशा मीणा द्वारा गुरुवार देर शाम एपीओ (अस्थायी पोस्टिंग आदेश) जारी कर जयपुर मुख्यालय में उपस्थित होने के आदेश दिए गए हैं। डॉ. अशोक शर्मा ने अपने एपीओ के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर चार वीडियो रील पोस्ट की। पहले वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें क्यों और किस गलती के कारण हटाया गया, यह उन्हें स्पष्ट नहीं है। दूसरे वीडियो में शुक्रवार को हॉस्पिटल में इलाज करते हुए उन्होंने मरीजों से कहा, “कुछ मरीजों का इलाज बाकी रह गया था, इसलिए आया हूं। मेरा ऑर्डर आ गया है, अब जा रहा हूं। सोमवार तक यहां हूं, इलाज करा लो।” तीसरे और चौथे वीडियो में डॉक्टर ने निलंबन के कारण रोते हुए एक बच्ची को सांत्वना देते दिखाए और एक व्यक्ति ने निलंबन में किसी साजिश का आरोप लगाया। डॉ. अशोक शर्मा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान रील बनाते रहते थे। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 3.10 लाख फॉलोअर हैं। ड्यूटी के दौरान रील बनाने की वजह से भी सवाल उठते रहे, और यही एक बड़ा कारण माना जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य ने मीडिया को बताया कि डॉ. अशोक शर्मा के खिलाफ समय पर ड्यूटी न पहुंचने और लापरवाही बरतने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। जांच रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को भेजी जाएगी। एपीओ के बाद डॉक्टर ने माइक पर लोगों से जल्दी इलाज कराने की अपील भी की, जिसका वीडियो उन्होंने पोस्ट किया। बड़गांव सैटेलाइट हॉस्पिटल के सामने कई वर्षों से दो मेडिकल स्टोर अवैध रूप से संचालित थे। सीएमएचओ ने दो सप्ताह पहले इन पर छापा मारा। हॉस्पिटल के सामने बिना डॉक्टर मरीजों को दवाई लिखी जा रही थी और भर्ती करके इलाज किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान इन अवैध क्लिनिक को बंद कर नोटिस भी जारी किया गया।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में संविधान दिवस सप्ताह पर “स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR)” कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवंबर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय में संविधान दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम निर्वाचन विभाग के SIR-2026 अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य युवा मतदाताओं को अपने वोटर डेटा के सत्यापन, परिवार/पिता के रिकॉर्ड से डेटा मिलान, और मतदाता सूची में आवश्यक सुधार की प्रक्रिया से अवगत कराना था। मुख्य अतिथि डॉ. देवीलाल गर्ग, जिला समन्वयक (SVEEP) ने SIR अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा घर-घर जाकर मतदाता डेटा का सत्यापन किया जा रहा है और हर मतदाता को अपने पुराने विवरण एवं परिवार के रिकॉर्ड को समय पर अपडेट करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से स्वयं भी SIR फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि श्री राजेंद्र प्रसाद भूखिया ने भी उपस्थित विद्यार्थियों को सही और अद्यतन मतदाता जानकारी बनाए रखने के लिए मार्गदर्शन किया। तकनीकी प्रशिक्षण श्री रामकृष्ण द्वारा दिया गया, जिसमें विद्यार्थियों को ऑनलाइन SIR फॉर्म भरने, डेटा मिलान करने, दस्तावेज़ अपलोड करने और परिवार के वोटर रिकॉर्ड से लिंकिंग की प्रक्रिया लाइव प्रदर्शित की गई। छात्रों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भाविक पानेरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर NSS कोऑर्डिनेटर डॉ. राजश्री चौधरी, NSS यूनिट–I इंचार्ज डॉ. स्नेहा सिंह, NSS यूनिट–II इंचार्ज डॉ. कल्पेश निकावत तथा संकाय सदस्य डॉ. प्रियदर्शी नागदा और डॉ. पंकज मीणा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 450 छात्र शामिल हुए और उन्होंने पूरे सत्र में सक्रिय भागीदारी दिखाई। कार्यक्रम के अंतर्गत SIR थीम पर आधारित निबंध, पोस्टर, रंगोली और वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं:

निबंध लेखन प्रतियोगिता:
प्रथमः भव्यता यादव
द्वितीयः ईशा काबरा
तृतीयः विकांक्षा सूथार

पोस्टर प्रतियोगिता:
प्रथमः भव्यता यादव
द्वितीयः इक़रा अहमद
तृतीयः प्रियांका पालीवाल

रंगोली प्रतियोगिता:
प्रथमः प्रियांका पालीवाल
द्वितीयः क्रतिका चौहान
तृतीयः पुण्य

वाद-विवाद प्रतियोगिता:
प्रथमः खुशी कुमावत
द्वितीयः भव्यता यादव
तृतीयः हनुमंत सिंह चुंडावत, राजेश्वरी खटीक, शुभम जैन

विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक बताया और कहा कि इसने मतदाता जागरूकता व डेटा सत्यापन की प्रक्रिया को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जनता की समस्याओं को लेकर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की कॉलोनियों की सड़कों की खराब स्थिति और जगह-जगह बने बड़े-छोटे गड्ढों के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चलाने वाली महिलाओं और बुजुर्गों के गिरने से दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है। इस समस्या को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम उदयपुर के उप आयुक्त दिनेश कुमार मंडोवरा से मिलकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नगर निगम द्वारा संचालित सिटी बसों के संचालन को लेकर कई मांगें रखी गईं। प्रतिनिधि मंडल ने बलिचा से सेक्टर-14, सवीना, हिरणमगरी, सेवाश्रम से डबोक, यूनिवर्सिटी, आरटीओ ऑफिस, खेलगांव और अम्बेरी रूट पर बसों को नियमित और घंटे में चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही सीटी बस स्टाफ पर समय सारणी लगाने और इसकी जानकारी सार्वजनिक करने की भी मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के मौके पर संगठन के प्रांत मंत्री राकेश पालीवाल, जिला अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा के नेतृत्व में महानगर अध्यक्ष करण सिंह कटारिया, रमेश जोशी, फतहलाल पारिक, महिला संगठन मंत्री संगीता जैन, नरेंद्र जोशी, राजू कुंवर चौहान सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। इस संबंध में जानकारी जिला मंत्री नारायण पंचोली ने दी।

स्पष्टता, शुद्धता और तकनीकी रचनात्मकता- स्टैंडर्ड राइटिंग का सार: डॉ. धृति सोलंकी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय में आज ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (BIS), जयपुर के सहयोग से स्टैंडर्ड्स राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. धृति सोलंकी ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मानकीकरण मात्र तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि गुणवत्ता आश्वासन, सुरक्षा और वैज्ञानिक अनुशासन को मजबूत करने का आधार है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के ज्ञान को व्यावहारिक दिशा देते हैं और उन्हें राष्ट्रीय विकास में योगदान देने योग्य बनाते हैं। कार्यक्रम सीसीएएस स्टैंडर्ड्स क्लब की मेंटर प्रोफेसर डॉ. सुमन सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ। विशेष वक्ता और बीआईएस विशेषज्ञ प्रफुल कोठारी ने विद्यार्थियों को स्टैंडर्ड लिखने की प्रक्रिया, संरचना, भाषा, पद्धति और तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। उनके प्रशिक्षण सत्र ने छात्रों में विश्लेषणात्मक सोच, स्पष्टता और शुद्ध लेखन की समझ को मजबूत किया। प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्ण भागीदारी दी और अपनी तकनीकी दक्षता व मौलिकता का प्रदर्शन किया। समापन सत्र में परिणाम घोषित किए गए— प्रथम पुरस्कारः कुणाल चौहान व राजल नामा — उत्कृष्ट स्पष्टता और मौलिकता के लिए। द्वितीय पुरस्कारः नेहा खजूरिया व प्राची — प्रभावी संरचना व सामग्री संगठन के लिए। तृतीय पुरस्कारः प्रतीक्षा व दीपशिखा — सुविचारित प्रस्तुति और मानकों के अनुपालन के लिए। इसके अतिरिक्त सांत्वना पुरस्कार अंबिका भाखर व अमीषा खर्रा को उनके नवोन्मेषी प्रयास के लिए प्रदान किए गए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों— डॉ. सुमन सिंह, डॉ. रेखा व्यास, डॉ. हेमु राठौड़, डॉ. जयमाला दवे, डॉ. अंजली जुयाल, सुश्री बिपाशा, सुश्री ऋतिशा, सुश्री पूजा, सुश्री चार्वी, श्री प्रदीप कुमार सेहरा और श्री रितुराज— का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में रेड रिबन क्लब ने शुरू किया नशा मुक्ति अभियान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवंबर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में रेड रिबन क्लब द्वारा नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी. पी. सारस्वत के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. वी. सी. गर्ग, वित्त नियंत्रक श्री गिरीश कछारा, उपकुलसचिव डॉ. मुकेश बारबर, डॉ. शैलेन्द्र राव तथा रेड रिबन क्लब के समन्वयक डॉ. पी. एस. राजपूत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कुलगुरु प्रो. सारस्वत ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही अच्छे विचारों का सृजन होता है, जो किसी भी देश और संस्थान की उन्नति के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को हानि पहुँचाता है। कुलगुरु ने सभी से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और मेवाड़ को नशा मुक्त बनाकर एक सकारात्मक संदेश देश तक पहुँचाएँ। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. वी. सी. गर्ग ने भी सभी को इस अभियान में जुड़ने का आव्हान किया और बताया कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार युवा पीढ़ी को नशामुक्त रखने पर विशेष जोर दे रही हैं। रेड रिबन क्लब के समन्वयक डॉ. पी. एस. राजपूत ने बताया कि अभियान की टैगलाइन है: “जीवन है अनमोल, ये सबको बताएंगे, नशा मुक्ति अभियान को, सब मिल कर सफल बनाएंगे।”

पंजाब के राज्यपाल शनिवार को उदयपुर आएंगे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवम्बर। पंजाब के राज्यपाल एवं केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ के प्रशासक गुलाब चन्द कटारिया शनिवार को प्रातः 9:30 बजे वायुयान द्वारा दिल्ली से उदयपुर आएंगे एवं चित्तोडगढ के लिए प्रस्थान करेंगे। वे सोमवार को प्रातः 11 बजे वायुयान द्वारा उदयपुर से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगें। वे पुनः 3 दिसम्बर को प्रातः 9:30 उदयपुर पहुंचकर भीलवाडा के लिए प्रस्थान करेंगें एवं सायं 5 बजे उदयपुर पहुंचकर वायुयान द्वारा उदयपुर से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगें।

उदयपुर के इकबाल सक्का ने बनाया 1 सेंटीमीटर का ध्वज, राम मंदिर को करेंगे भेंट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 700 टन व 44 फीट लंबे केसरिया ध्वज के आरोहण की खुशी में उदयपुर के 121 वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, ‘शांति दूत’ और प्रोफेसर डॉ. की उपाधि से सम्मानित शिल्पी इकबाल सक्का ने अनोखी भेंट तैयार की है। सक्का ने चांदी से 1 सेंटीमीटर का केसरिया ध्वज बनाया है, जिस पर ॐ, सूर्य का चिन्ह और कोविदार पेड़ की आकृति उकेरी गई है। यह सूक्ष्म कला इतनी बारीक है कि इसे केवल लेंस की मदद से ही देखा जा सकता है। उन्होंने 1 सेंटीमीटर का राम मंदिर भी तैयार किया है, जिसके कलश पर केसरिया ध्वज लहराता हुआ दिखाया गया है।

वहीं, 1 मिलीमीटर का सूरज तथा मंदिर को केसरिया, सफेद और हरे रंग से सजाया गया है। इकबाल सक्का इन सूक्ष्म कलाकृतियों को राम मंदिर अयोध्या में भेंट करेंगे। इसके लिए उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट को दिल्ली में पत्र भेजकर औपचारिक अनुमति मांगी है।

उदयपुरः लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का 25वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

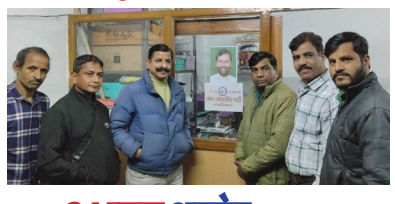

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 नवम्बरः लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का 25वां स्थापना दिवस शुक्रवार को उदयपुर कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने संस्थापक पद्म भूषण रामविलास पासवान के आदर्शों का अनुसरण करने और उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। पार्टी के जिलाध्यक्ष दिनेश हाडा ने कार्यक्रम में कहा कि रामविलास पासवान का जीवन गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने बताया कि पासवान के संघर्ष और समाज सेवा के कारण उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। “उनका उद्देश्य था ‘उस घर में दीया जलाना जहां सदियों से अंधेरा है’ और हमें इसे पूरा करना है,” जिलाध्यक्ष ने कहा। दिनेश हाडा ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी युवाओं में लोकप्रिय हो रही है। हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव में गठबंधन के तहत अभूतपूर्व सफलता मिली है। स्थापना दिवस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता नवरतन खोखावत, गजेंद्र जैन, राजेंद्र छाजेड़, हरीश नवलखा, भरत साहू, दीपक जैन, यौवंतराज माहेश्वरी, चेतन प्रकाश जैन, बालमुकुंद असावरा सहित कई अन्य उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।